

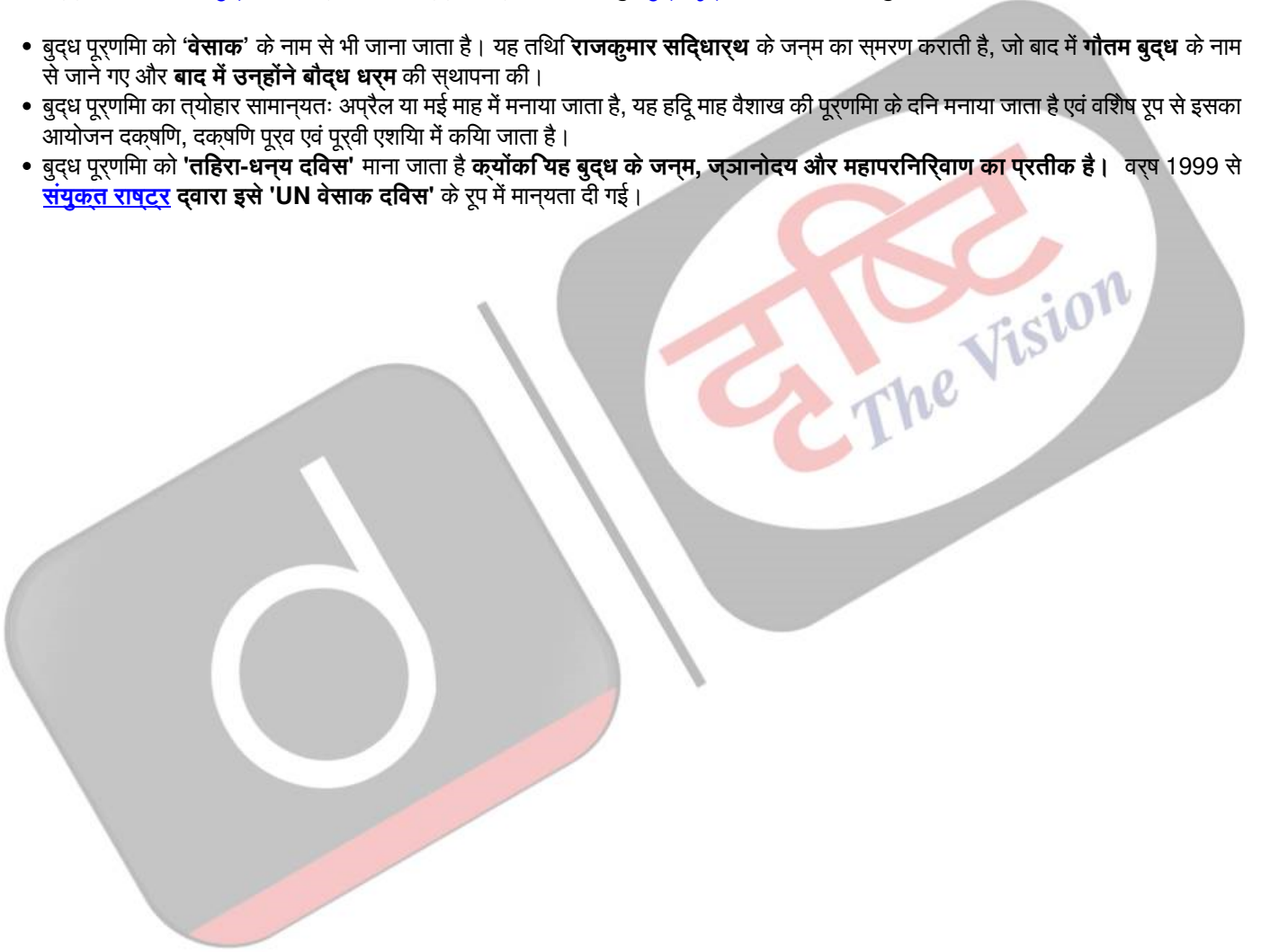


बुद्ध पूरणमि

स्रोत: पी.आई.बी.

भारत के राष्ट्रपति ने **भगवान बुद्ध** की शक्तिषाओं के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए **बुद्ध पूरणमि** के अवसर पर शुभकामनाएँ दीं।

- बुद्ध पूरणमि को 'वेसाक' के नाम से भी जाना जाता है। यह तथि **राजकुमार सदिधार्थ** के जन्म का स्मरण कराती है, जो बाद में **गौतम बुद्ध** के नाम से जाने गए और **बाद में उन्होंने बौद्ध धर्म** की स्थापना की।
- बुद्ध पूरणमि का त्योहार सामान्यतः अप्रैल या मई माह में मनाया जाता है, यह हद्दि माह वैशाख की पूरणमि के दिन मनाया जाता है एवं वशिष रूप से इसका आयोजन दक्षिण, दक्षिण पूर्व एवं पूर्वी एशिया में किया जाता है।
- बुद्ध पूरणमि को 'तहिरा-धन्य दविस' माना जाता है **क्योंकि यह बुद्ध के जन्म, ज्ञानोदय और महापरनिरिवाण का प्रतीक है।** वर्ष 1999 से **संयुक्त राष्ट्र** द्वारा इसे 'UN वेसाक दविस' के रूप में मान्यता दी गई।



गौतम बुद्ध

इन्हें भगवान विष्णु के 10 अवतारों (दशावतार) में से 8वाँ अवतार माना जाता है

जन्म

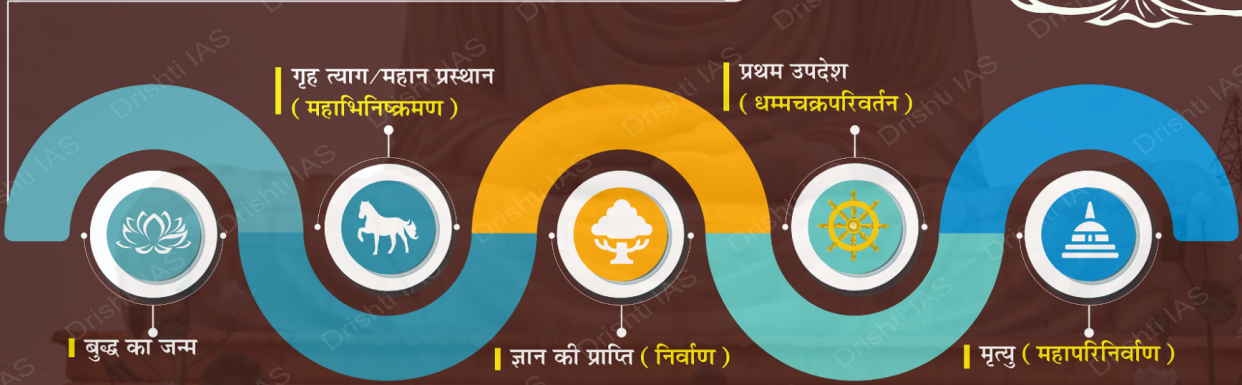
- सिद्धार्थ के रूप में जन्म (563 ईसा पूर्व)
- जन्मस्थान- लुम्बिनी (नेपाल)
कपिलवस्तु के निकट

माता-पिता

- पिता- कपिलवस्तु के निर्वाचित शासक;
शाक्य गणसंघ के मुखिया
- माता - कोशल वंश की राजकुमारी



महत्त्वपूर्ण घटनाएँ



बुद्ध ने स्वयं को तथागत (वह जो जैसा आया था, वैसा ही चला गया) के रूप में संदर्भित किया और बौद्ध ग्रंथों में इन्हें भागवत के रूप में संबोधित किया गया है।

समकालीन व्यक्ति

- वर्धमान महावीर
- बिम्बिसार
- अजातशत्रु

बुद्ध से जुड़े अन्य महत्त्वपूर्ण स्थल

- बोधगया (ज्ञान प्राप्ति) (ज्ञान प्राप्ति के बाद वे बुद्ध के नाम से जाने गए)
- सारनाथ (प्रथम उपदेश)
- वैशाली (अंतिम उपदेश)
- कुशीनगर (मृत्यु (487 ई.पू.) का स्थान)

//

और पढ़ें: [बुद्ध पूरणमि](#)